

चामुन्ड मैया डोले मेरी नैया बेड़ा लगा दे पार



चामुन्ड मैया डोले मेरी नैया,

दोहा – चन्ड मुन्ड संधारणी,
जय चामुन्डा माय,
लजा मेरी राख दे,
रहा मैं शीश नवाय ।

चामुन्ड मैया डोले मेरी नैया,
बेड़ा लगा दे पार,
ओ माँ हाथ जोड़ अरदास करूँ।

तर्ज – मन डोले मेरा ।

तुम रुद्राणी तुम पटराणी,
आगम निगम बखानी,
तीनो लोको में पुजा तेरी,
हो तुम शिव महारानी,
तुम आओ आज माँ,
राखो लाज थाने रहा पुकार रे,
माँ शिश नवा अरदास करूँ।

जैसलमेर से चली रे साथ में,
जगह-जगह चला ध्याई,
जहाँ जोशी परिवार बसे माँ,
वहाँ पर तुझे मनाई,
है साहवा गाँव, तेरा बना धाम,
ध्वजा रही फरकाय रे माँ,
जोत तेरी दीन रात करूँ।

चूड़ा चुन्दडी भेट चढ़े माँ,
थारी जगावां रात,
सारो परिवार चल्थो आव माँ,
गठजोड़े की जात,
थारे आवे जात रखो सारी बात,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



साल 92, 15 जनवरी,
पर्ची दियो बडो भारी,
साहवा से इक जीप चली माँ,
घर की भरी सवारी,
जहाँ जीप भीड़ी जहाँ हाजीर खड़ी,
सभी को लिया बचाय रे माँ,
ना आई किसी के फुल छड़ी।bd।

दीनों जोशी सुबह श्याम माँ,
गावे आरती थारी,
भवानी शंकर ने चरणों में राखो,
करो महर भवानी,
धरो सिर पर हाथ रखो सारी बात,
थाने रहा मनाय रे माँ,
मैं मुढमती तेरे चरण पड़ु।bd।

चामुण्ड मईया डोले मेरी नईया,
बेड़ा लगा दे पार,
ओ माँ हाथ जोड़ अरदास करूँ।bd।

(चामुण्डा धाम साहवा)

गायक – राहुल जोशी।

8955229648

लेखक – भवानी शंकर जोशी।